Jayoti Muhim

बेटी बचाओ बेटी पढाओ

Title Code : RAJBIL01655 Issue 12, Volume 4. August, 2018

Independence Day

15th August is celebrated as India's Independence Day. This day is a very special honorable day for all the Indians .This day remarks the history of India's Independence from the rule of the East India Company in the year 1947 on the same date India is counted as the world's largest democracy all over the world. Our country became Independent on 15th August 1947 after sacrifice of several freedom fighters.Independence Day is celebrated by the Government of India every year when the current Prime minister of India raises our Tricolor national Flag of India at Red fort in Delhi followed by the Indian Army Parade, March Past, National Anthem Recitation, Speech and other cultural activities. Takes place in every states of the country where Governor and the Chief Ministers of states become main guests .Some people get prepared in the early morning and wait for the speech of the Indian Prime Minister on TV. On 15th of August, People get inspired with the history of India's .

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ ..वन्दे मातरम्

15 अगस्त 2018 को भारत ने अपना 72 वां स्वतंत्रता दिवस बडे ही धूम–धाम और हर्षो–उल्लास के साथ यह महापर्व बनाया। 15 अगस्त का यह दिन भारत देश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया है। इस दिन हमारा देश सैकड़ो वर्षों की अंग्रेजों की पराधीनता से स्वतंत्र हुआ था। तभी से भारत के करोंड़ो नागरिक इस दिन को स्वतंत्रता–दिवस के रूप में बड़े उत्साह से मनाते है। ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय ने 72 वां स्वाधीनता दिवस सदभाव के साथ मनाया ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय ने 72 वां स्वाधीनता दिवस बड़े ही गर्व और हर्षोल्लास के साथ मनाया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय की चेयरपर्सन जे.वी.एन. माननीया विदुषी गर्ग जी ने ध्वजारोहण किया और विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं सलाहाकार जे.वी.एन. डॉ. पंकज गर्ग जी समेत अन्य शिक्षकगणों ने छात्राओं के साथ मिलकर राष्ट्रगान गाते हुए राष्ट्र ध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि झरना ग्राम पंचायत की सरपंच गंगा देवी भी शामिल रही। विश्वविद्यालय की छात्राओं ने देश भक्ति से ओत–प्रोत गीतों और नृत्य की प्रस्तुति दी। राष्ट्रगीत ''वन्दे मातरम्' गाकर छात्राओं ने विश्वविद्यालय के **पूरे वातावरण को देश प्रेम से सरोबार किया। विश्वविद्यालय के माननीय संस्थापक व सलाहकार डॉ. पंकज गर्ग जी ने सभी शिक्षकगण एवं छात्राओं को स्वाधीनता दिवस की बधाई दी एवं छात्राओं को देश के प्रति समर्पण की भावना को याद दिलाया, उन्होंने छात्राओं से यह भी कहा कि अपने उच्च विचारों, मूल्यों और अनुशासन में रहकर ही वे अपने जीवन में आगे बढ़ सकते हैं और देश की तरक्की में अपना योगदान दे सकते है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। स्वाधीनता दिवस कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की छात्राओं ने किया।**

सलाम दें

टुटी हूई शमशीर को है धार जिसने ढाल दी,
ऐसे महान देश को मेरा भी एक सलाम दें।
जो धर्म कर्म साथ ले चल खडा रहा हुआ,
उस मुल्क को मेरा एक सलाम दें।
आजाद हिन्द फौज के उन वीरों को सलाम दें,
जो देश पर फिदा हुआ उन दिवानों को सलाम दें।
जो रुह से निकल रही भारत माँ के प्यार को,
उस माँ की ममता को मेरा एक सलाम दें।
मुठ्ठी बंद कर चले थे उन साथियों को सलाम दें,
शान से तिरंगा लहरा रहा इस आजादी को सलाम दें।

–जे.वी.एन. प्रभदीप कौर

रक्षा बंधन

आया ऐसा त्यौहार बांधा जिसमें भाई बहन का प्यार ,
जिसका रहता सबको इतंजार देता सबको ये ढेर सारा प्यार।
श्रावन मास में त्यौहार से ये आता ढेर सी खुशियां ये है लाता,
बहना को देने का लिए भाई सुंदर सा एक तोहफा लाता।
बहन है लाई ऐसी राखी चाँद तारों सी वह चमचमाती,
प्यार से भैया को बैठाकर फिर माथे पर तिलक लगाती,
फिर बांधी भैया को राखी उसको फिर मिठाई खिलाती।
भैया को वह राखी बांधकर उससे वादा है लेती।
भैया मुझको भूल न जाना कभी भी मुझसे रुठ न जाना,
रक्षा करने का किया जो वादा उसको तुम कभी भूल न जाना।
भाई बहन का है अटूट बंधन तभी तो आता रक्षा बंधन,

-जे.वी.एन. प्रीति रानोलिया

स्वतंत्रता दिवस का बदलता स्वरूप

15 अगस्त 2018 को भारत ने अपना 72 वां स्वतंत्रता दिवस बडे ही धूम–धाम और हर्षो–उल्लास के साथ यह महापर्व बनाया। 15 अगस्त का यह दिन भारत देश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया है। इस दिन हमारा देश सैकड़ो वर्षों की अंग्रेजों की पराधीनता से स्वतंत्र हुआ था। तभी से भारत के करोंड़ो नागरिक इस दिन को स्वतंत्रता–दिवस के रूप में बड़े उत्साह से मनाते है। इस अवसर पर सभी शैक्षणिक संस्थाओं, कार्यालयों, कारखानों व अन्य संस्थानों का अवकाश रहता है। हर वर्ष इस दिन भारत की राजधानी दिल्ली के लालकिले पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ध्वज को फहराते हैं तथा देशवासियों के नाम सन्देश देते है। राष्ट्रीय ध्वज को 21 तोपों की सलामी दी जाती है, उसके बाद राष्ट्रगान होता है।

यह दिवस भारत के कोने–कोने में बडी धूम–धाम से बनाया जाता है। 15 अगस्त की सुबह राष्ट्रीय स्तर के नेतागण पहले राजघाट पर जाकर महात्मा गांधी आदि राष्ट्रीय नेताओं तथा स्वतंत्रता–सेनानियों को श्रध्दांजलि अर्पित करते हैं फिर लाल किले के सामने पहुंच कर सेना के तीनों अंगों तथा अन्य बलों की सलामी लेते है।स्वतंत्रता दिवस किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं अपितु सम्पूर्ण भारतीय लोगों के लिए महापर्व है। परन्तु आज के समय में बहुत से लोग इस महापर्व को भूलते जा रहे हैं। यह महज एक छुट्टी का दिन और मौज–मस्ती करने वाला दिन बन गया है।

इस महापर्व का महत्व लोगों की नजरों में कम होता जा रहा है। अगर हम इसके कारण की तह तक जाएं तो देखने को मिलता है कि आज की शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत बच्चों को स्वतंत्रता दिवस के बारे में पूरी जानकारी प्रदान नहीं की जा रही है, बच्चों को देशभक्तों और स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में उचित जानकारियाँ नहीं है या यू कहें की उन्हें समस्त जानकारियाँ नहीं दी जा रही है। यह दोष शिक्षा प्रणाली का ही नहीं बल्कि वर्तमान सामाजिक परिवेश का भी है जिसमें पुराने मूल्यों को नई पीढ़ी की ओर हस्तान्तरित नहीं किया जा रहा है।

इतना ही नहीं, आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में काफी व्यस्त है। दो जून की रोटी के लिए लोगों को बेहद भाग–दौड़ करनी पडती है। ज्यादा से ज्यादा तरक्की और पैसा कमाने की लालसा में व्यक्ति अपने जीवन मूल्यों, त्यौ. हारों, दिवसों के प्रति सजग नहीं रहा। प्रत्येक व्यक्ति की लालसा है ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाना और तरक्की पाना। इसी कारण आज के समय में अधिकतर लोग स्वतंत्रता दिवस के मायने भी भूलते जा रहे हैं। इस दिन का उपयोग ज्यादातर लोग छुट्टी मनाने, मौज–मस्ती करने में व्यतीत करते है। आज की इस भागती दौड़ती जिंदगी में लोगों को आराम करने के लिए, परिवार के साथ समय व्यतीत करने के लिए छुट्टी का अभाव होता है अतः बहुत से लोगों की दृष्टि में स्वतंत्रता दिवस छुट्टी का दिन बन कर रहा गया है।

अगर आम लोगों और युवाओं की दृष्टि में यह दिन छट्टी मनाने का रह गया है तो वह अपनी आने वाली पीढ़ी को इस दिवस के महत्व के बारे में क्या समक्षा पाएगा। आने वाली पीढ़ी इस दिवस को कितना महत्व दे पाएगी तथा कितने हर्षो–उल्लास के साथ इस दिवस को बना पाएगी यह सोचने का विषय है।

-JV'n Rashi Sharma
3rd Sem

WORLD PHOTOGRAPHY DAY

World Photography Day is observed worldwide on 19th of August every year with a lot of zeal and enthusiasm. The day is not only celebrated by the staunch followers of photography, but all the people across the globe irrespective of their professions and interests come together and inspire the coming generations to understand the importance of photography. On this particular day, millions of people capture different ideas and share their world with others, try to dwell in the imaginations of other photographers and moreover try bringing more happiness through the means of photography.In a world where billions of photographs are uploaded every hour, World Photography Day inspires many photographers from around the world to disseminate their idea of a single picture with their single purpose yet motivating multiple minds to think different. From day to day life to unbelievable landscapes, this day witnesses a global gallery of images being captured by people with different skills, levels, knowledge living in a diverse range of countries and culture

JV'n Megha Shayam

Wishing You all A Very Happy Rakha Bandhan

राखी के इस पावन अवसर पर ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय के सदस्यों, सभी अभिभावकगण, भूतपूर्व छात्राएं, अध्यापकगण, कर्मचारीगण, अन्य विश्वविद्यालय शुभचिन्तकगणो और मेरी प्यारी बिटियाओं को रक्षा बंधन की हार्दिक शुभकामनाएं !!

साक्षात्कार

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय जो शिक्षा जगत में एक जाना पहचाना नाम है। विश्वविद्यालय परिसर में आये अभिभावकों से हुई बातचीत में विश्वविद्यालय के बारे में उनके विचारों को जानने हेतु ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय के जर्नलिज्म संभाग की छात्राओं द्वारा किया गया साक्षात्कारः–

प्रश्न–1.ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय आपको कैसा लगा ?

सलीम मोसिन – विश्वविद्यालय बहुत ही सुन्दर है। जयपुर शहर से थोड़ा दूर होने के कारण यहाँ का वातावरण शोर–गुल रहित है और ऐसा ही वातावरण बच्चियों की पढाई के लिए अच्छा है। विश्वविद्यालय में चारों तरफ हरियाली होने के कारण यहाँ बच्चियों का मन भी खुश रहता है। जिससे वे पढाई में सही से ध्यान लगा पाती है।

प्रश्न–2.विश्वविद्यालय द्वारा मुहैया कराई जाने वाली छात्रावास की सुविधा आपको कैसी लगी ?

जसवीर सिंह – विश्वविद्यालय की छात्रावास सुविधा बहुत अच्छी लगी। छात्रावास में रहने वाली बच्चियों को खाने से लेकर अस्पताल तक की सुविधाएं दी जाती है। उसी के साथ उन्हें आत्मरक्षा और अपने अधिकारों के बारे में बताया जाता है। जिससे वे प्रत्येक स्तर लड़को के कंधे से कन्धा मिलाकर खड़ी हो सकें।

प्रश्न–3.महिला सुरक्षा की वर्तमान स्थिति को देखते हुए आपको विश्वविद्यालय की महिला सुरक्षा प्राथमिकता के बारे में क्या लगता है?

सलीम मोसिन– जैसा कि आजकल हर अखबार के हर पेज पर बच्चियों के साथ हो रहे दुराचार की खबरें होती है, ऐसी स्थिति में इस विश्वविद्यालय में सिर्फ लड़कियों का होना अभिभावकों को राहत देता है। साथ ही में यहाँ की फिंगरप्रिंट एंट्री से किसी अनजान के अंदर आने का भी खतरा ना के बराबर होता है।

प्रश्न–4.विश्वविद्यालय में दी जाने वाली शिक्षा सुविधा के बारे क्या विचार है?

जसवीर सिंह – इस विश्वविद्यालय में जहां पढाई क्षेष्ठ एवं अनुभवी शिक्षकों द्वारा दी जाती। वहीं यहाँ पर बच्चियों को उनकी शिक्षा के क्षेत्र में प्रैक्टिकल कार्य भी सिखाया जाता है।

प्रश्न–5.विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली प्रैक्टिकल एक्सपोजर के बारे आपका क्या कहना है ?

जसवीर सिंह– यहाँ बच्चियों को प्रैक्टिकल कार्य सिखाया जाता है क्योंकि कई ऐसे क्षेत्र भी है जिनमे किताबी ज्ञान के साथ–साथ हमारा व्यावहारिक ज्ञान होना जरुरी है–जैसे मेडिकल क्षेत्र ,पत्रकारीता क्षेत्र इत्यादि। कई विश्वविद्यालयों में बच्चों को किताबी ज्ञान सीखा दिया जाता है परन्तु व्यावहारिक ज्ञान के बारे में उन्हें कुछ नहीं बताया जाता परन्तु यहाँ पर हर क्षेत्र के बच्चों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए सुविधाएं है।

JAYOTI VIDYAPEETH WOMEN'S UNIVERSITY, JAIPUR

©सर्वाधिकार सुरक्षित

स्वत्वाधिकार, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. पंकज गर्ग द्वारा लक्ष्मी ऑफसेट, G–1 मधुवन कॉलोनी टोंक फाटक, जयपुर– 302018 से मुद्रित एवं ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, वेदान्त ज्ञान वैली, ग्राम झरना, महलां जोबनेर लिक रोड जयपुर– अजमेर एक्सप्रेस वे जयपुर– 303122 से प्रकाशित।

घोषणा एवं शर्तें: समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र केवल जयपुर होगा। **JAYOTI MUHIM**(ज्योति मुहिम) में प्रकाशित लेखों, चित्रों एवं अन्य सामग्री से सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। कॉपीराइट उल्लंघन की स्थिति में केवल संबंधित लेखक का ही दायित्व होगा।